PANDIT S S N TANKHA What I would like to know is whether the arrangements entered into by the Portuguese Government for export of these ores are at reasonable rates or at concessional rates, and if they are at concessional rates, what does the Government propose to do about those agreements?

SHRIMATI LAKSHMI MENON There is no agreement between the Portuguese Government and the other Governments It is the private concessionaires who are doing the mining and exporting

AFRO-ASIAN RURAL RECONSTRUCTION ORGANISATION

*223 SHRI J C CHATTERJEE Will the PRIME MINISTER be pleased to state

(a) whether it is a fact that an Afro-Asian Rural Reconstruction Organisation has been formed as a result of the recent Cairo Conference with its headquarters in India, and

(b) if so, what are the functions of the said organisation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI LAKSHMI MENON) (a) and (b) The Second Afro-Asian Rural Reconstruction Conference was held in Cairo recently and is reported to have arrived at certain decisions However the Government of India do not have definite information on the subject

श्री देवकीनन्दन नारायण : क्या आदरणीय प्रधान मंत्री जी यह बतलाने की कृपा करेंगे कि इस कान्फ्रेंस के लिए हिन्दुस्तान से कितने प्रतिनिधि गये थे और उनको किस तरह से चुना गया था ? क्या इन प्रतिनिधियों को आल इण्डिया फारमर्स फोरम ने चुना था या गवर्नमेंट ने चुना था ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : यह कान्फ्रेंस सरकारी नहीं थी । इसमें जो प्रतिनिधि गये थे उनकी संख्या दो थी । एक तो डा० पंजाबराव देशमुख थे और दूसरे श्री श्रीमन्नारायण, मेम्बर प्लानिंग कमीशन, थे । मुझे इस समय यह याद नहीं है कि ये लोग किस तरह से चुने गये थे । डा० पंजाबराव देशमुख तो भारत कृषक समाज के प्रेसीडेंट की हैसियत से चुने गये थे और इस समाज ने पहली कान्फ्रेंस दिल्ली में की थी और डा० पंजाबराव का सम्बन्ध इस कान्फ्रेंस में काफी रहा । श्री श्रीमन्नारायण के बारे में मैं यकायक कुछ नहीं कह सकता हूं कि वे किस तरह से चुने गये थे सिवाय इसके कि उनका इन बातों से बहुत सम्बन्ध रहा है ।

श्री देवकीनन्दन नारायण : इन दो प्रतिनिधियों के सिवाय और करीब दस प्रतिनिधि वहां गये थे, क्या सरकार को इसका पता नहीं है ?

SHRIMATI LAKSHMI MENON We have no information

श्री जवाहरलाल नेहरू : ये लोग अपनी तरफ से गये होंगे या किसी संस्था की तरफ से गये होंगे लेकिन गवर्नमेंट को कोई इत्तिला नहीं है ।

SHRI J C CHATTERJEE May I know the names of the other countries which attended the Cairo Conference?

SHRIMATI LAKSHMI MENON. There were about 23 countries which were represented at the Conference in Cairo

श्री नवाबसिंह चौहान : जैसा कि समाचारपत्रों से विदित होता है, श्री पंजाबराव देशमुख को वहां की एक्जीक्यूटिव का सदस्य चुना गया, लेकिन इस शर्त पर चुना गया कि यदि भारत सरकार मंजूर कर ले तभी वे उसके सदस्य माने जायेंगे । तो क्या उसके अनुसार भारत सरकार के पास कोई ऐसी प्रार्थना आई है कि वह इस सदस्यता को मंजूर कर ले ? यदि आई है, तो उसके ऊपर क्या कार्यवाही की गई है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : मुझे कुछ मालूम नहीं है । लेकिन अगर भारत सरकार से पूछा

गया होगा, तो इस बारे में भारत सरकार की फूड एण्ड एग्रीकल्चर मिनिस्ट्री से पूछा गया होगा। हम तक कोई खबर नहीं आई।

SHRI T. S AVINASHILINGAM CHETTIAR· The answer was that the Government of India was not represented in this Conference because it was a non-official conference. How does the Prime Minister explain that when one is a Member of the Planning Commission and the other is the Minister of Agriculture of his Government that the Government of India was not represented? How does he reconcile both?

SHRI JAWAHARLAL NEHRU· I did not say that the Government of India was not represented. I only said that this was not an official conference but the Government of India is much interested in it and to some extent helps it. It was agreeable to Dr. Deshmukh going there because he is connected with it and I remember, I do not know who chose but Shri Shriman Narayan's name came before me and I thought he was an excellent person I know that he is an eminently fitted person to go there and when his name was mentioned to me I agreed to his going I said that it would be a very good choice We have yet to receive the report of the conference

SHRI BHUPESH GUPTA· The Prime Minister said that it was not an official conference but the Government of India wanted to support it. May I know the reason why then the Government did not consult the Opposition in fixing up as to who should go there?

SHRI JAWAHARLAL NEHRU: I have answered that, Sir It is not an official conference They are connected with, I think, the Bharat Krishak Samaj or the Indian Farmers' Forum. This Forum probably selected the persons and we were kept in touch with what was happening. We were not supposed to be represented officially there.

SHRI S. C. DEB What were the subjects that were discussed there and may I know whether agriculture and other things pertaining to rural reconstruction were also discussed?

SHRI JAWAHARLAL NEHRU· I cannot say definitely but I imagine agriculture was one of the obvious subjects that should have been discussed there.

ऋषिकेश में एन्टीबायोटिक्स प्लांट

*२२४. **श्री भगवत नारायण भार्गव :** क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि ऋषिकेश में एण्टीबायोटिक्स के उत्पादन सम्बन्धी परियोजना की मुख्य-मुख्य बातें क्या हैं ?

†[PLANT FOR ANTIBIOTICS AT RISHIKESH

*224 SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state the main features of the project at Rishikesh for the production of antibiotics?]

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय में उद्योग मंत्री (श्री एन० कानूनगो) : एक विवरण सभा की मेज पर रखा जाता है।

विवरण

रूस के सहयोग से ऋषिकेश में एक एण्टीबायोटिक्स फैक्टरी लगाने का प्रस्ताव है। इस प्रायोजना में ८ प्रमुख औषधियां बनाने का विचार है जिनका कुल परिमाण प्रतिवर्ष लगभग २६० टन होगा। कारखाने की स्थापना पर अनुमानतः कुल २०·७५ करोड़ रु० लागत आयेगी। इसमें विकास तथा बस्ती बसाने का खर्च भी शामिल है। इस योजना में ५·१० करोड़ रु० तक की विदेशी मुद्रा लगने का अनुमान है।

एण्टीबायोटिक्स प्रायोजना की स्थापना करने के लिये हाल ही में रूस के मेसर्स टैक्नो-एक्सपोर्ट के साथ संविदा पर हस्ताक्षर किये

†[ ] English translation.